अवसर ● देगलूर महाविद्यालय में दुष्यंत कुमार की 89वीं जयंती के कार्यक्रम में बोले संतोष येरावार

अन्याय व राजनीतिक कुकर्मों के खिलाफ थे 'दुष्यंत' के तेवर

देगलूर | 12 सितंबर | लोकतेज

क्रांतिकारी तेवरों के धनी दुष्यंत कुमार ने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज व राजनीति में व्याप्त विकृतियों और विषमताओं का पर्दाफाश किया है. ऐसी हस्ती सदियों में एक बार ही पैदा होती है. यह कहना है डॉ. संतोष येरावार का.

देगलूर महाविद्यालय के हिंदी विभाग में गुरुवार को महान साहित्यकार दुष्यंत कुमार की 89वीं जयंती पारंपरिक उत्साह के साथ मनाई गई. इस मौके पर संकाय प्रमुख संतोष येरावार बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि दुष्यंत कुमार की रचनाएं, विशेषतः गजलें सार्वभौम व सर्वकालिक रही हैं. अपनी रचनाओं में उन्होंने आम आदमी की पीड़ा को उजागर किया है. दुष्यंत कुमार ने गजलों के साथ काव्य, कथा व नाट्य लेखन भी किया. मगर गजलों की लोकप्रियता ने उनकी अन्य विधाओं को नेपथ्य में डाल दिया. येरावार ने दुष्यंत कुमार की कई पुस्तकों व रचनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि दुष्यंत की नजर अपने युग की नई पीढ़ी के गुस्से और नाराजगी से तीखी हुई. यह गुस्सा और नाराजगी उस अन्याय और राजनीति के कुकर्मों के खिलाफ नए तेवरों की आवाज थी, जो समाज में मध्यमवर्गीय झूठेपन की जगह पिछड़े वर्ग की मेहनत और दया की नुमाइंदगी करती है.

देगलूर में गुरुवार को महान साहित्यकार दुष्यंत कुमार के जयंती कार्यक्रम में उपस्थितों से संवाद साधते हुए डा संतोष येरावार.

आरंभ में कार्यक्रम की प्रस्तावना डॉ. शेख परवीन ने रखी. मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. लक्ष्मण सुदाम प्रमुखता से उपस्थित थे. संचालन व आभार प्रदर्शन डॉ. व्यंकट खंदकुरे ने किया. इस अवसर पर महाविद्यालय के बीए, बीएससी व एमए कक्षाओं के छात्र-छात्राओं ने काफी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराई.

Scanned with OKEN Scanner